चित्रकूट 26 जनवरी 2013। श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट द्वारा 64 वॉ गणतंत्र दिवस विद्याधाम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में देशभक्ति से ओतप्रोत होकर धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । हजारों की संख्या में स्कूल के बच्चों ने लगभग 1 कि0मी0 की लम्बी कतार मे प्रभातफेरी तिरंगे झण्डे, राष्ट्रीय नारे एवं बैण्ड बाजे के साथ निकालकर सुबह 8.00 बजें स्कूल के प्रांगण में जमा हुए। शिक्षा समिति की अध्यक्ष श्रीमती ऊषा जैन ने सुबह 8.30 बजे ध्वजारोहण कर मार्च फास्ट की सलामी ली। गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व पर मुख्य अतिथि के रुप में यू0एस0ए0 से गिरीश भाई ने अपनी सिरकत दी। मुख्य अतिथि का जानकीकुण्ड चिकित्सालय के अधीक्षक डा0 ए0वी0एस0 राजपूत ने साल एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। अपने सम्बोधन में ऊषा जैन ने कहा कि कड़ी तपस्या और बलिदान के बाद हम 15 अगस्त को अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुए। लेकिन इसके लिए हमारे अमर शहीदों ने जो बलिदान दिये हैं हम उन्हे भुला नहीं सकते। आजादी के बाद समस्या थी कानून बनाने की, कि हम किस कानून के तहत काम करेंगे। 26 जनवरी 1950 को देश के नेताओं ने देश का संविधान पारित किया और उसी के तहत देश का संचालन होने लगा। आज जो अत्याचार महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार को रोकना है और समाज को सही दिशा देना है क्यों कि अत्याचार करने वाला तो दोषी है ही लेकिन उससे भी बड़ा दोषी उस अत्याचार को सहने वाला है। आज देश में मंहगाई और भृष्टाचार बढ़ रहा है इसके जिम्मेदार हम ही हैं हम सबको मिलकर इसे दूर करना है। ये तभी संभव है जब हम पूरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से अपना काम करेंगे। आज हम अपने पवित्र संविधान को भूल गये हैं। देश का भविष्य बच्चों और नौजवानों के हाथों में है इन्हे हम ऐंसे संस्कार और शिक्षा दें जिससे ये समाज को सही दिशा दे सकें। घर से समाज और समाज से देश सुधरेगा। उन्होने सभी से अपील की है कि पूरी निष्ठा के साथ भारतीय संविधान का पालन करें। इसके बाद स्कूल के बच्चों द्वारा खेलकूद और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। विजयी बच्चों को गिरीश भाई, ऊषा जैन एवं अन्य अतिथियों ने पुरस्कृत कर उत्साहित किया। अन्त में जय हिन्द के नारों से आसमान गूॅज उठा।

राजेन्द्र मिश्र
जानकीकुण्ड, चित्रकूट